### अश्वाद्ध स्थान

शहिः सन्ता भ्रामीत शामान जो जिल्ला शतक तिला। भ्राप्त स्ट्राप्त ममग्र हलेक्ल। यूद्ध जोमदान वन्नित भ्राम लाका स्म क्लिन्न स जान दान भ्राप्त भरह स्माद स्मान भन्न जान निर्मान भन्न जान निर्मान भन्न

यो व्याप्त व्याप्ति मान्या पिन, धनापि मंश्रीत व्याप्ति स्थापि मान्या विष्ण व्याप्ति स्थापि स्थापि व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति स्थापि व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्याप्ति व्यापति वयापति व्यापति व्य

निदः वराद अभिरायकाप यहमा हो स्परमाय क्रिक सम्भाद्व व्यद्भः विद्याद्वात्या व्यद्भा विद्यात्रम् खरम मिट्न द्वाराय । क्रम्यः 21 न्याइत्याद्य - व्याच्या 31 states "

11/2/16 12/16 72

প্ৰ অভিক্ৰা - "

हादुः क उथ्योगिव्य काया व मुक्त्याविष्ट्यः वायाः अ \*। हम। द्वलिदित की कर्ये। \* हे के ने जिल्लाहरे जामि यात्र।

या देः नास्कड्व स्मास किवनाव व्यान मारित्रव रकार कार्य कार्य दिला याँग वाद्य वार्याम भरा - बरा १ मादा - नशास

THE THIS PRICE THE

णि दे के क्याहिम क्रींब्रांटि क्रिमारेन एगएख मिताकीत लाखा। क्रिवाटिक क्रित क्याहमित धिक व्यालाकमा प्रिथार्ग्यक्त। जिन तलाट्डन प्रा यारे क्रिमानाकान व्याक, माता प्रात्नात प्रात्व क्याहिम क्याहिक प्रात्वा प्रात्नाताप्त नि नाजारे स्वटाह्य द्रात्व।

शिष्टिः पितीत्व जीवत जात्व नजून लाव्ह महणा भविष्ठि एक भारत एग्ना एग्ना जाया जाया वातान जाता जाया देनी एग्ना वाया जाया दम्मेल जाल्या क्षाया क्षाया जाया जाया जाया जाया क्षाया क्ष

\*। माराज जार ध्यापात जारा \*। माराज काम जारा जाराज। \*। भाग्रिकामिक काम जाराज। \*। माराज काम जाराज जाराज।

मिटिः खाद्मार्व द्यालव योवात्म यावेष खातक नाष्ट्रत खाद्मार्व खात्व भारत जोन्य खातक ग्राह्मण्ड माद्मालक ग्राह्मण्ड मय सार्वेष खात्वव चात्राल याला जायात्व खादवव खामारक खात्राल याला खामाराव खादवव खम्म क्या चीत्राल याला खामाराव खादवव खम्म क्या क्रीदः अवक्रा क्रिक्ट ख्राध्य दः

到 记:

2015:280\$1

ज्ञा दः अपदर्ग [स्प्रालमध्य न्याइत्य]

क्षादः ग्रा क्षरका माजाक माराग्र करदा।

याता।

ज्यादः जिस्सि जा द्यार्थ

38/5; SrJ-[Ox: MUN]

ज्वादुः ऽशका

# ्राध्मम्मक (क्लाराटिविश्नेन): ां प्रांट हिला जारल १ ां प्रांट हिला जारल १ ां प्राचा अजाम बामारः। ां वासारित एएलात नम्म नारमण। ां कात्रा वासारित एएलात नम्म नारमण। ए जात्र सारक ध्वत्रीत रिख याद्य यदा। ए एलात की यहाम क्ला किस करमकिया। २२: ध्वात्र देः

(1) रहालीटे पुठ एक उपटेव्हा

पंगित पतिष्ठ, कितु प्राविष्ठ जांक लाखी

(iii) अभाम 3. क्रीम सारा।

(10) अर्डी कु मर में भेराय वायाका

(೧) वामकार्त स्थाप्त हिंद्या क्यार्ट

### 8 तः दः

(i) जीक्स 3 कोडाम | मारि धालाह ।
(ii) जील लाफि अख़ा । हाराहि । यह अएएड ।
(iii) मिरि: लाइ हर | मकाल पलादेश।
(iv) जाल जर्रोदा ममग्र | जाम | दाव हरता।
(v) लालीर | जात्वस्था पदा | काला कराएड ।

त्यः हैं: के दे — (हिटमणड) वि — (विदिश्व) णं दें:>मिण ३ विज वि → भेड़ाहा,

(ii) दे -> अंतरा श्र -> क्ष अर्द्ध अर्ट | अद्भाद श्र -> क्ष अर्द्ध अर्ट | अद्भाद श्र -> क्ष अर्द्ध श -> क्ष अर्द्ध 

### त्यः दुः

वार्मेल = वात्वर वाक्यांव जारान = व्यक्ति, मास्या GET = CHOM = MG1 एउम = एकि ७, एसा। यहाम्य = अकि अध्याप्ता

# गर् रुः

21 व्यक्त , 21 व्यक्तियात्र , ७१ व्यक्तिय , ८। द्रांमीट प्रकारम , प्रकार । किंद्राक्र ए , मानारम न। मुक्सार , २०१ मिन्ता

## 12.3:

21 मधिर -> मधिरश

1190 < 100 15

তা লাবর > লাবর

व्याम - क्यान 81

120 -> 120 V

जिला हिला है का करियों एतर दें बार जिला

ताका, २२ न द्युद्ध , २०२८ । निष्टम शिल्दाप्त उत्मा उक्ष व्यानमागाय महत्त्व अल्लिह व्यान यितरायकीय ५८० वस्य ५००० वस्य व्राह्मार्ग लापन देपुरानी अकल्ला अपलीन कादा। यीगान जीजीय रहना प्राप्ता सिर्ह्या थासूत मिश्रीर दमशा राष्ट्र ए यन्तरेटि नारित मिरित विप्रेड मक्क् माथ्य " अक्री धकली जाना िवाति भिया चयन्त्रीत्याच प्रात्म भुष्टीस्था विण्यान कहा। इस विषयी दिसार्वी दिसार्वी वानुषीत विवाद अविक्रिक क्या कदाहर

# 34. San 3;

प्रमाप्तरिव दामाव दिल्लवं माशि भाष्ट्र याश्या यही। प्रमाव दिल्लव मामाना मिल श्रीहर याश्या यहा। ब्रम्भाता रत्ना दालानामाव ७ वहमंभवायानामा

पुना परि मुन्न वकीट तामात दिल्ला पर्ना देशक प्राक्त वना प्राप्त कारण अधिकारी देशक जा उन्न कर्ता प्राप्त जाता देशक जा उन्न क्रिया पद्मा भागात मक्रि जाता व्यानातमा

भिन्न हमः कियाग् एषा याग्न, किय जाउँ निक्न शाम दहए विद्याल याएड, युरे मृशूर्ट जांत भी आत्मत्र के द्या हमार युरे जायं आत्मत्र भी दालायामा अद्भिक्षालेकद्य, जा युरे कियागा म्या विद्याल दाट द्याद जिन द्यास्था युर्व रामात हिलादक। उथान जिन विलास युराश साद्यात जालावामा। किय व्यालास आत्मत

THE THEORY SERVICE TO SERVICE OF

A PART RESIDE ROUND FOR CORRE

र्जे टामधार व्यस्ति सार्शिय व्यस्ति ज्यस्ति सिद्धिक जाने अवाने माद्याव द्रास्नामा स्मार्याहरू। अयः जस्पन क्षमान दहल्लामा कर्ण क्या माछ करें। यहा चला हुन किक वस्तिरिष्टे क्रुम पुळालारित कित्वाम जला हा वरे समात दिल्लक ममडे सल्माम् मार क्या याग्र मुन्न दालावामात्र मिकरिष्ट्रे वल्या त्रयाम हिल्लाहर वर वास कंवत क्रम् এটাও প্রসাল প্রারে ইন্থ কবিতার।

(GT) व्यथियायः चार् याय्वारा स्वाम ६ चार्या उड़कार्थ दे क्या, य., यड़ वड़ वर्षित्राप्त इट्टीहर. दिन्दी योग यहार, स्थि-रिस्त है वर्ष - क्राय

द्रामा:

किया क्रीस्त मूल.

( जर्मणात यात्म व्याय वक् व्रश्नात्य स्माय स्पित्रकेष सार्व विषय इट्यास्ट भारत व्याप इट्यास्ट

थ समाग्र हो जल हाता यात्री, (वर्षणात मार्किदार मार्थ यह एवर मार्थ यून्स यहा रहारहा)

णुमाना निरं, भिष्म नहर, नटर हुमानात मूचा (भरेषादा हमाना भिष्म भरेग थरा हार्कि हो हुम्मा भरेग खरा हमाना भिष्म पहला चरा हार्कि।)